# उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

**23, एलनगंज, प्रयागराज–211002**

## पाठ्यक्रम–प्रवक्ता

## गृहविज्ञान (24)

शरीर संरचना विज्ञान–शरीर संरचना विज्ञान का परिचय एवं कोशिका की संरचना एवं संगठन जीव द्रव्य की विशेषता, तन्तु का विकास इतिहास और शरीर में उनका वितरण, खून एवं पंछा (लिम्फ), दिल और संरचण, रक्त का जमना, रक्त निर्माण एवं विघटन, नशें और धमनी दबाव, श्वसन तंत्र की संरचना, श्वसन की कार्य प्रणाली, फेफड़ा और तंतुओं में गैंसों का आदान–प्रदान, अम्ल आधारित संतुलन, श्वसन तंत्र का शिरा एवं रासायनिक नियंत्रण अनोक्सिया, असफिक्सिया, कृत्रिम श्वसन, पाचन तंत्र–पाचन तंत्र की सामान्य संरचना, पेट, छोटी आंत, यकृत और पेनक्रिया की बनावट का विस्तृत अध्ययन, आहार नली की गतिविधि, रिसाव की प्रक्रिया, पाचन कार्य (इन्जाइंग के कार्य), गुर्दा द्वारा मूत्र निस्तरण, मूत्र का निर्माण और उसकी संरचना, त्वचा–मांसपेशियों की बनावट, मांसपेशियों के खिचाव के दौरान भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, नाड़ी तंत्र–परिवर्तित कार्य, सम्वेदना एवं प्रत्यक्षीकरण की सामान्य प्रक्रिया विशेष रूप से दृश्य और श्रव्य के संबंध में, इन्डोटीनोलाँजी हारमोन्स निस्करण के सिद्धान्त, विकास चयापचय और पुनर्उत्पादन में हारमोंस का नियंत्रण, पुनर्उत्पादन–स्त्री एवं पुरूष के प्रजनन अंगो की सामान्य बनावट, पुर्वेर्टी, स्त्री एवं पुरूष मे हारमोंस की क्रिया बच्चेदानी एवं गर्भाशय का विकास और उसकी प्रक्रिया संचेतन (फर्टीलाइजेशन) गर्भाधारण तथा उनके विविध अवयवों के कार्य, विभिन्न रोगों से शरीर का बचावः– संक्रमण की अवस्थिति, सृजन, प्रतिरोधन सर्न्टीजेन एवं इन्टीबाडीज।

स्वास्थ्यः निवारक औषधि और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन, वायु एवं वातायन, हवा की संरचना, श्वसन क्रिया, धुआं, धूल, जीवाणु आदि के कारण वायुमंडल में परिवर्तन वायु में अशुद्धता का कारण, रोग वातायन का अर्थ, रोगी एवं स्वस्थ व्यक्ति के लिए आवश्यक वायु, प्राकृतिक एवं कृत्रिम वातायन और वायु का शुद्धिकरण, गृह की स्वच्छता, जलनिकास एवं स्वच्छता अपशिष्ट का निष्पादन, संरक्षण जल वहन तंत्र ढालीय जल का निष्पादन, सेफ्टी टैंक एवं सीवर, जल संरचना, विशेषता, विभिन्न उद्देश्यों के लिए आवश्यकता जल स्रोत एवं भण्डारण, अशुद्धियां एवं उनका शुद्धिकरण, स्वास्थ्य, व्यायाम का शरीर के विभिन्नि तंत्रो पर प्रभाव, संक्रमण के स्रोत एवं माध्यम, संक्रमण के संचरण के प्रकार भोजन एवं पौष्टिकता, सामुदायिक पौष्टिकता, मातृ एवं शिशु की पौष्टिकता, रोगी का पौष्टिक आहार, गृह प्रबन्धन–पारिवारिक यंत्र व्यवहारिक भौतिकी, उपभोक्ता एवं बाजार अन्तरिक, डिजाइन, संस्थागत प्रशासन और प्रबन्धन का सिद्धान्त, पारिवारिक घर और घर की सजावट।

शिशु विकास–मानव विकास के सिद्धान्त, मानव विकास का इतिहास और नियम, प्रारम्भिक शिशु की शिक्षा स्कूल जाने के योग्य होने के पूर्व बच्चे का विकास।

वस्त्र एवं परिधान– परिधान के मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक तत्व भारत के पुराने परिधान, परिधान की डिजाइनिंग तथा कपड़े की संरचना, वस्त्रों का रंगना एवं छापना, काटना एवं सिलना।

प्रसार शिक्षा– प्रसार शिक्षा की आवश्यकता, क्षेत्र एवं दर्शन, सामुदायिक विकास योजना, प्रौढ़ एवं अनौपचारिक शिक्षा, प्रसार शिक्षा की विधियां, शोधयंत्र एवं तकनीक और प्रारम्भिक सांख्यिकी।